चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरिभूमि	11-12-23	11	2-8

हकृवि में आयोजित दो दिवसीय स्टूडेंट एंगेजमेंट कॉन्क्लेव का हुआ समापन

अंतरराष्ट्रीय प्रशिक्षण से विद्यार्थियों को स्टार्टअप शुरू करने की मिलेगी प्रेरणा : डॉ. अग्रवाल

हरिभूमि न्यूज ▸▸ हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय में छात्र कल्याण निदेशालय की ओर से दो दिवसीय स्टूडेंट एंगेजमेंट कॉन्क्लेव का समापन कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें मुख्यातिथि के रूप में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली के उप-महानिदेशक (कृषि शिक्षा) डॉ. आर.सी. अग्रवाल रहे, जबकि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। मुख्यातिथि डॉ. आर.सी.अग्रवाल ने अपने संबोधन में उपस्थित विद्यार्थियों को राष्ट्रीय कृषि उच्चतर शिक्षा परियोजना एनएएचईपी की विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय स्तर पर कृषि विश्वविद्यालयों में उपरोक्त परियोजना के माध्यम से उपलब्ध संसाधनों में तेजी से विकास हुआ है। इस परियोजना के अंतर्गत आईडीपी इस्टीट्यूशनल प्लान के तहत कृषि विश्वविद्यालयों के विद्यार्थियों को प्रशिक्षण व शोध के लिए विभिन्न देशों के कृषि विश्वविद्यालयों एवं शोध संस्थानों में भेजा जा रहा है ताकि विद्यार्थियों के अंदर आत्मविश्वास विकसित हो व उनके विजन में भी वृद्धि हो। मुख्यातिथि ने हकृवि की आईडीपी इकाई की भी सराहना की।

उन्होंने कहा कि इस प्रोजेक्ट के तहत 2 हजार से अधिक विद्यार्थी 55 देशों में शोध एवं प्रशिक्षण के लिए भेजे गए थे, जिसके माध्यम से कृषि क्षेत्र में नए शोध, तकनीकों, नवाचारों व प्रौद्योगिकियों को बढ़ावा मिल रहा है। उन्होंने कहा कि उपरोक्त प्रोजेक्ट के तहत 450 से अधिक अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एमओयू हुए है। उन्होंने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि एनएएचईपी-आईडीपी प्रोजेक्ट के तहत प्रशिक्षण प्राप्त विद्यार्थी अपने अनुभवों के आधार पर स्वरोजगार स्थापित करें व दूसरों को भी रोजगार देने वाले बने।

कुलपति प्रो.बीआर काम्बोज ने अपने अध्यक्षीय भाषण में विश्वविद्यालय में एनएएचईपी परियोजना के बारे बताया। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय कृषि उच्चतर कृषि शिक्षा परियोजना कृषि क्षेत्र में उच्चतर शिक्षा को मजबूती देने के लिए भारत सरकार की एक अहम परियोजना है। प्रो. काम्बोज ने उपस्थित छात्र-छात्राओं से आह्वान किया कि वे विदेश के उच्च शिक्षण संस्थानों से सीखी गई तकनीकों को अपने साथियों के साथ साझा करें व देश को कृषि क्षेत्र में मजबूती प्रदान करें।

कार्यक्रम के दौरान डॉ. बालासाहेब सावंत कोंकण कृषि विश्वविद्यालय, दापोली, गुरु अंगद देव पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, शेर ए कश्मीर यूनिवर्सिटी ऑफ एग्रीकल्चरल साइंसेज एंड टेक्नोलॉजी, जम्मू, वसंतराव नाइक मराठवाड़ा कृषि विद्यापीठ, परभणी, शेर ए कश्मीर कृषि विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, कश्मीर व डॉ. वाई.एस.परमार बागवानी एवं वानिकी विश्वविद्यालय, सोलन से एनएएचईपी-आईडीपी प्रोजेक्ट के अंतर्गत विदेश के शिक्षण संस्थानों में प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके विद्यार्थियों ने अपने अनुभव भी साझा किए। छात्र कल्याण निदेशक डॉ. अतुल ढींगड़ा ने मुख्यातिथि सहित सभी का स्वागत किया, जबकि स्नातकोत्तर शिक्षा अधिष्ठाता एवं आईडीपी परियोजना के प्रमुख अन्वेषक डॉ. केडी शर्मा ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया।

मंच का संचालन डॉ. अमिता गिरधर व छात्रा स्नोवर ने किया। मुख्यातिथि ने विभिन्न प्रतियोगिता में विजेता रहे विद्यार्थियों को सम्मानित किया।

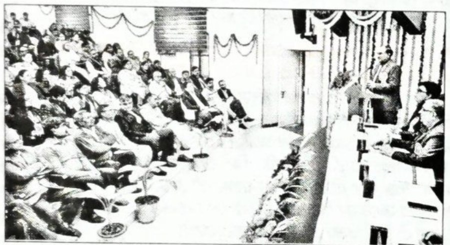

हिसार। स्टूडेंट एंगेजमेंट कॉन्क्लेव के समापन अवसर पर संबोधित करते मुख्यातिथि डॉ. आर.सी. अग्रवाल। *फोटो : हरिभूमि*

पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता

- प्रथम स्थान : शेर ए कश्मीर यूनिवर्सिटी ऑफ एग्रीकल्चरल साइंसेज एंड टेक्नोलॉजी, जम्मू के शिवम मोंगा
- दूसरा स्थान : चौधरी सरवण कुमार हिमाचल प्रदेश कृषि विश्वविद्यालय, पालमपुर से ईशा ठाकुर।
- तीसरा स्थान : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार के कृषि महाविद्यालय की छात्रा पूजा।

प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता

- प्रथम स्थान : शेर ए कश्मीर कृषि विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, कश्मीर की सानिया शब्बीर, दानेश शब्बीर भट्ट व रोईद
- दूसरा स्थान : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की सुमाय, सोनिया व कल्पना यादव।
- तीसरा स्थान : वसंतराव नाइक मराठवाड़ा कृषि विद्यापीठ, परभणी से पाटिल, कदम व वागमारे स्वपनिल

पैनेल डिशक्शन प्रतियोगिता

- प्रथम स्थान : हिमाचल प्रदेश कृषि विश्वविद्यालय, पालमपुर से शौर्य कपूर व भावना।
- दूसरा स्थान : वसंतराव नाइक मराठवाड़ा कृषि विद्यापीठ, परभणी से सतवादार प्रिया प्रभाकर व अनुश्री।
- तीसरा स्थान : शेर ए कश्मीर कृषि विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, कश्मीर से सानिया शबीर व दानेश शबीर।

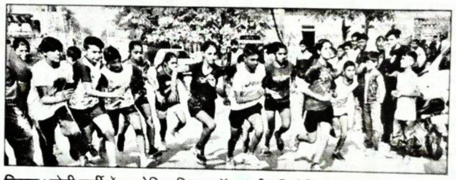

हिसार। खेड़ी बर्की में आयोजित जिला क्रॉस कंट्री प्रतियोगिता में भाग लेते एथलीट।

लड़कियों में प्रीति व लड़कों में सौरव ने मारी बाजी

हिसार। एथलैटिक्स हिसार की ओर से निकटवर्ती गांव खेड़ी बर्की में लड़के व लड़कियों के वर्ग की जिला क्रॉस कंट्री प्रतियोगिता का रविवार को समापन हुआ। एक दिवसीय इस प्रतियोगिता में मुख्यातिथि के तौर पर समाजसेविका संजना सातरोड, विशिष्ट अतिथि विजय कत्याल, मास्टर वीरेंद्र सेठी रहे जबकि इसकी अध्यक्षता सरपंच हंसराज नापा ने की। एथलैटिक्स हिसार के महासचिव मनोज कड़वासरा और वरिष्ठ सह सचिव राजू कनोह ने बताया कि इस प्रतियोगिता के विजेता खिलाडी 31 दिसम्बर को होने वाली राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में जिला हिसार का प्रतिनिधित्व करेंगे। इस मौके पर मास्टर वीरेंद्र, शमशेर, सुधीर, राजेंद्र, प्रदीप, लोकेश, अमन आदि मौजूद रहे।

प्रतियोगिता के परिणाम

लड़कों के ओपन वर्ग की 10 किलोमीटर दौड़ में प्रथम विकास, द्वितीय विनोद, तृतीय अभिषेक रहे। ओपन वर्ग की 10,000 मीटर के लड़कियों के वर्ग में प्रथम अंजू, द्वितीय मोनिका, तृतीय सुमन रही। 20 वर्ष आयु वर्ग के लड़कों में प्रथम सौरव, द्वितीय विशाल, तृतीय अमन रहा। 20 वर्ष लड़कियों में प्रथम प्रीति, द्वितीय साक्षी व पूजा शर्मा ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। आयु 18 वर्ष लड़के के वर्ग में प्रथम मोहित, द्वितीय विशाल व तृतीय स्थान पर विकास रहा। 18 वर्ष लड़कियों के वर्ग में प्रथम रेनू, द्वितीय प्रियंका, तृतीय आंचल रही। 16 वर्ष लड़कों के वर्ग में प्रथम सचिन, द्वितीय साहिल, तृतीय सुखविंदर, 16 वर्ष लड़कियों में प्रथम मुस्कान, द्वितीय अनु और तृतीय स्थान पर पूजा रही।

हिसार। विजेता प्रतिभागियों को सम्मानित करते मुख्यातिथि प्रो. बीआर काम्बोज।

शारीरिक विकास बौद्धिक विकास की सीढ़ी : प्रो. काम्बोज

हिसार। फिट इंडिया अभियान के तहत विज्डम स्कूल द्वारा दूसरी मैराथन का 10 दिसंबर को प्रक्षेपन किया गया। यह मैराथन तीन वर्गों में आयोजित की गई। तीनों वर्गों में विद्यार्थियों, अभिभावकों व कई शहरवासियों ने भाग लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज द्वारा हरी झंडी दिखाकर किया गया। किसना डायमंड व गोल्ड ज्वैलरी ग्रुप का हिसार में नेतृत्व कर रहे अंशुमन सचदेवा की उपस्थिति ने सबका हौसला बढ़ाया। मुख्यातिथि प्रो. काम्बोज ने शारीरिक विकास को बौद्धिक विकास की सीढ़ी बताया। उन्होंने कहा कि जो आज के मशीनीकरण युग में इसी प्रकार के मैराथन आयोजित करके समाज को जागरूक करने में सहायक सिद्ध होगी। विद्यालय संस्थापक हरिपाल पिलानिया ने प्रतिभागियों का आभार जताया तथा अपने हौसले व आत्मविश्वास को सदैव अपनी ताकत बनाने के लिए प्रेरित किया।

यह रहे मैराथन के परिणाम

मैराथन में जूनियर वर्ग में लड़कियों में अंतर, ज्ञानवी, रीतु तथा लड़कों के ग्रुप में योगेश्वर, हेमंत व नवीन ने क्रमश : प्रथम, द्वितीय व तृतीय हासिल किया। इसी प्रकार सीनियर वर्ग में मीनाक्षी दलाल ज्योति, सुलक्षन, मन्नत, मनीष, श्रीकांत स्थान प्राप्त किया। मास्टर वर्ग में जय कुमार शर्मा, उदय सिंह दलाल, सतबीर पान्नू व पूनम ओमपती, रीना त्यागी को मैडल व ट्रॉफी भेंटकर सम्मानित किया गया।

2

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	11-12-23	5	1-4

एचएयू में आयोजित दो दिवसीय स्टूडेंट एंगेजमेंट कॉन्क्लेव में मुख्य अतिथि डॉ. अग्रवाल बोले

अंतरराष्ट्रीय प्रशिक्षण से विद्यार्थियों को स्टार्टअप शुरू करने की मिलेगी प्रेरणा

संवाद न्यूज एजेंसी

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय में चल रहा दो दिवसीय स्टूडेंट एंगेजमेंट कॉन्क्लेव रविवार को समाप्त हो गया। इस दौरान मुख्य अतिथि के रूप में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद नई दिल्ली के उप-महानिदेशक (कृषि शिक्षा) डॉ. आरसी अग्रवाल रहे। उन्होंने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि एनएएचईपी-आईडीपी प्रोजेक्ट के तहत प्रशिक्षण प्राप्त विद्यार्थी स्वरोजगार स्थापित करें व दूसरों को भी रोजगार देने वाले बनें।

उन्होंने कहा कि आईडीपी इंस्टीट्यूशनल प्लान के तहत दो हजार से अधिक विद्यार्थी 55 देशों में शोध एवं प्रशिक्षण के लिए भेजे गए थे, जिसके माध्यम से कृषि क्षेत्र में नए शोध, तकनीकों, नवाचारों व प्रौद्योगिकियों को बढ़ावा मिल रहा है। उपरोक्त प्रोजेक्ट के तहत 450 से अधिक अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एमओयू हुए है। डॉ. अग्रवाल ने कहा कि विद्यार्थियों को कृषि क्षेत्र में मार्केटिंग के नए-नए तरीकों को अपनाना चाहिए। भविष्य की चुनौतियों जैसे-जलवायु परिवर्तन, खाद्य सुरक्षा, खाद्य भंडारण, पोषण सुरक्षा सहित अन्यों से निदान के लिए नवीनतम तकनीकों को अपनाना होगा।

उन्होंने कहा कि कृषि क्षेत्र की नई-नई तकनीकों को किसानों तक पहुंचाने के लिए विद्यार्थियों को प्रयास करने चाहिए। कुलपति प्रो. बीआर कांबोज ने कहा कि इस प्रोजेक्ट के तहत विवि में पांच प्रयोगशालाएं एवं 14 व्याख्यान कक्ष का नवीनीकरण किया है व नए उपकरण एवं पुस्तकें भी खरीदी है। विवि के 102 विद्यार्थी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके हैं, जबकि 44 विद्यार्थी प्राप्त कर रहे हैं।

कार्यक्रम में डॉ. बालासाहेब सावंत कोंकण कृषि विश्वविद्यालय, दापोली, गुरु अंगद देव पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, जम्मू, वसंतराव नाइक मराठवाड़ा कृषि विद्यापीठ, परभणी, शेर ए कश्मीर कृषि विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, कश्मीर व डॉ. वाईएस परमार, सोलन से एनएएचईपी-आईडीपी प्रोजेक्ट के तहत विदेश के शिक्षण संस्थानों में प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके विद्यार्थियों ने अपने अनुभव भी साझा किए।

एचएयू में आयोजित स्टूडेंट एंगेजमेंट कॉन्क्लेव में मौजूद अधिकारी, शिक्षाविद। स्रोत : विवि

विदेशों में शोध के पहले होते हैं रिस्क टॉस्क परीक्षण

मैंने यूनिवर्सिटी ऑफ मेलबर्न में विजिट कर एक महीने की ट्रेनिंग की थी। वहां किसी भी विषय पर शोध करने से पहले टॉस्क रिस्क एक्सपेरिमेंट किया जाता है, जिसमें यह देखा जाता है कि इस परीक्षण से स्वास्थ्य के साथ किसी तरह का नुकसान तो नहीं है। भारत में हम कई बार बिना सेफ्टी के ही परीक्षण करने लग जाते हैं। मेलबर्न विवि में छोटे से छोटे परीक्षण को पूरे सुरक्षा उपकरण के साथ करते हैं। वहां पर शोध के लिए फंड की कमी नहीं है, जिससे शोध के लिए आवश्यक मशीनें उपलब्ध होती हैं तो शोधार्थियों को किसी तरह की परेशानी नहीं होती। हमारे यहां पर बजट का इश्यु रहता है। मेरा शोध का विषय सब्जी और फसलों की लागत कुशल जीनो टाइपिंग है। **- शुभम, शोधार्थी पालमपुर।**

मेरा शोध का विषय कृषि उद्यमिता और प्रबंधन में कौशल और पुनः कौशल है। इसके लिए वेस्टर्न यूनिवर्सिटी आस्ट्रेलिया के विद्यार्थियों के साथ बातचीत की। वहां के विद्यार्थियों में आत्मविश्वास और अनुशासन था। वहां पर विद्यार्थी पढ़ाई के साथ-साथ जॉब भी करते हैं। भारत में विद्यार्थियों को भी पढ़ाई के साथ-साथ कमाई भी करनी चाहिए। सरकार को इन्फ्रास्ट्रक्चर और लैब पर खर्च बढ़ाना चाहिए। लाइब्रेरी में घर जैसा माहौल था। विद्यार्थी एक सोफे व टेबल पर लैपटॉप रखकर पढ़ रहे थे। **- संघर्ष, शोधार्थी, डॉ. बालासाहेब सावंत कोंकण कृषि विश्वविद्यालय, दापोली।**

आस्ट्रेलिया में शोध कैसे होते हैं, उनके बारे में आस्ट्रेलिया में पढ़ाई कर रहे शोधार्थियों से वहां जाकर ट्रेनिंग के दौरान बातचीत की। वहां पर पढ़ाई प्रेक्टिकल के आधार पर होती है, जबकि भारत में पढ़ाई थ्योरी के आधार पर ज्यादा होती है। वहां के अधिकतर विद्यार्थी पार्ट टाइम जॉब करते हैं और साथ में हायर एजुकेशन करते हैं। इसके अलावा वहां और भारत की एजुकेशन में इतना ज्यादा फर्क नहीं है। वहां के शिक्षकों और विद्यार्थियों में दोस्त वाला व्यवहार होता है। इससे डाउट जल्द क्लियर होते हैं। मेरा शोध का विषय कृषि उद्यमिता और प्रबंधन में कौशल और पुनः कौशल कैसे करते हैं। **- नेहा, शोधार्थी, डॉ. बालासाहेब सावंत कोंकण कृषि विश्वविद्यालय, दापोली**

ये रहे विजेता

पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता

प्रथम : शेर ए कश्मीर यूनिवर्सिटी ऑफ एग्रीकल्चरल साइंसेज एंड टेक्नोलॉजी, जम्मू के शिवम मोंगा

द्वितीय : चौधरी सरवण कुमार हिमाचल प्रदेश कृषि विश्वविद्यालय, पालमपुर से ईशा ठाकुर।

तृतीय : एचएयू के कृषि महाविद्यालय की छात्रा पूजा।

प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता

प्रथम : शेर ए कश्मीर कृषि विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, कश्मीर की सानिया शब्बीर, दानेश शब्बीर भट्ट व रोईद

द्वितीय : एचएयू के कृषि विश्वविद्यालय की सुमाय, सोनिया व कल्पना यादव।

तृतीय : वसंतराव नाइक मराठवाड़ा कृषि विद्यापीठ, परभणी से पाटिल, कदम व वागमारे स्वप्निल

पैनल डिस्कशन

प्रथम : हिमाचल प्रदेश कृषि विश्वविद्यालय, पालमपुर से शौर्य कपूर व भावना।

द्वितीय : वसंतराव नाइक मराठवाड़ा कृषि विद्यापीठ, परभणी से सतवादार प्रिया प्रभाकर व अनुश्री।

तृतीय : शेर ए कश्मीर कृषि विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, कश्मीर से सानिया शबीर व दानेश शबीर।

"भारत और थाईलैंड का पढ़ाई का सिस्टम बिल्कुल अलग है। हमारे यहां पर सिलेबस कैसे पूरा होगा इसका तनाव रहता है। जबकि थाईलैंड में ऐसा नहीं होता वहां पर हर लेक्चर के बाद रेस्ट मिलता है। हमारे देश में व्याख्यान दिए जाते हैं। वहां हमें एक विषय पर व्याख्यान मिलता उसके बाद ब्रेक मिलता था। वहां विद्यार्थी पढ़ाई को लेकर इतना स्ट्रेस नहीं लेते जितना भारत में लेते हैं। मेरा शोध का विषय सीफूड साइंस और इनोवेशन रहा। थाईलैंड में सीफूड और पैकिंग सीफूड, कैन फूड ज्यादा है। इसके बारे में थाईलैंड से सीख कर आए हैं। भारत में सीफूड, कैन फूड इतना ज्यादा नहीं है।

- अर्णा अरमान, शोधार्थी

	चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	11-12-23	3	5-7

जलवायु परिवर्तन सहित भविष्य की चुनौतियों से निपटने के लिए नवीनतम तकनीकों को अपनाना होगा : डा. अग्रवाल

हकृवि में आयोजित 2 दिवसीय स्टूडैंट एंगेजमैंट कॉन्क्लेव सम्पन्न

हिसार, 10 दिसम्बर (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय में छात्र कल्याण निदेशालय की ओर से दो दिवसीय स्टूडैंट एंगेजमैंट कॉन्क्लेव का समापन कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें मुख्य अतिथि के रूप में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिगी के उप-महानिदेशक (कृषि शिक्षा) डॉ. आर.सी. अग्रवाल रहे, जबकि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की।

मुख्यातिथि डॉ. आर.सी.अग्रवाल ने अपने संबोधन में उपस्थित विद्यार्थियों को राष्ट्रीय कृषि उच्चतर शिक्षा परियोजना एन.ए.एच.ई.पी. की विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने कहा कि प्रोजेक्ट के तहत 2 हजार से अधिक विद्यार्थी 55 देशों में शोध एवं प्रशिक्षण के लिए भेजे गए थे, जिसके माध्यम से कृषि क्षेत्र में नए शोध, तकनीकों, नवाचारों व प्रौद्योगिकियों को बढ़ावा मिल रहा है।

उन्होंने कहा कि उपरोक्त प्रोजैक्ट के तहत 450 से अधिक अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर एम.ओयू हुए है। उन्होंने कहा कि भविष्य की चुनौतियों जैसे-जलवायु परिवर्तन, खाद्य सुरक्षा, खाद्य भंडारण, पोषण सुरक्षा सहित अन्यों से निदान के लिए नवीनतम तकनीकों को अपनाना होगा। मुख्यातिथि अग्रवाल ने कहा कि कृषि क्षेत्र की नई-नई तकनीकों को किसानों तक पहुंचाने के लिए विद्यार्थियों को प्रयास करने चाहिए।

कार्यक्रम को संबोधित करते मुख्यातिथि डॉ. आर.सी. अग्रवाल।

कार्यक्रम के दौरान मौजूद अधिकारीगण, शिक्षाविद् एवं विद्यार्थी।

कुलपति प्रो.बी.आर. काम्बोज ने एन.ए.एच.ई.पी. परियोजना के बारे बताते हुए कहा कि ढांचागत विकास, पाठ्यक्रम विकास, फैकल्टी क्षमता विकास, नवाचार व उद्यमिता के साथ संस्कृति को बढ़ावा देना इस परियोजना के मुख्य उद्देश्य हैं। उन्होंने कहा कि हकृवि के 102 विद्यार्थी अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके हैं, जबकि 44 विद्यार्थी प्राप्त कर रहे हैं।

इस दौरान हुई प्रतियोगिता पोस्टर मेकिंग में प्रथम स्थान : शिवम मोंगा, दूसरा स्थान ईशा ठाकुर, तीसरा स्थान छात्रा पूजा ने प्राप्त किया। प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में प्रथम स्थान सानिया शब्बीर, दानेश शब्बीर भट्ट व रोईद, दूसरा स्थान सुमाय, सोनिया व कल्पना यादव व तीसरा स्थान पाटिल, कदम व वागमारे स्वपनिल ने प्राप्त किया। पैनेल डिसक्शन में प्रथम स्थान शौर्य कपूर व भावना, दूसरा स्थान सतवादार प्रिया प्रभाकर व अनुश्री व तीसरा स्थान सानिया शबीर व दानेश शबीर को मिला।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	11-12-23	3	2-4

• हकृवि में दो दिवसीय स्टूडेंट एंगेजमेंट कॉन्क्लेव का समापन

प्रशिक्षण से स्टूडेंट्स को स्टार्टअप की मिलेगी प्रेरणा : डॉ. आरसी अग्रवाल

भास्कर न्यूज | हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय में छात्र कल्याण निदेशालय की ओर से दो दिवसीय स्टूडेंट एंगेजमेंट कॉन्क्लेव का समापन कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली के उप-महानिदेशक कृषि शिक्षा डॉ. आरसी अग्रवाल रहे, जबकि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की।

मुख्यातिथि डॉ. आरसी अग्रवाल ने कहा कि राष्ट्रीय स्तर पर कृषि विश्वविद्यालयों में उपरोक्त परियोजना के माध्यम से उपलब्ध संसाधनों में तेजी से विकास हुआ है। इस परियोजना के अंतर्गत आईडीपी इंस्टीट्यूशनल प्लान के तहत कृषि विश्वविद्यालयों के विद्यार्थियों को प्रशिक्षण व शोध के लिए विभिन्न देशों के कृषि विश्वविद्यालयों एवं शोध संस्थानों में भेजा जा रहा है ताकि विद्यार्थियों के अंदर आत्मविश्वास विकसित हो व उनके विजन में भी वृद्धि हो। उन्होंने कहा कि उपरोक्त प्रोजेक्ट के तहत 2 हजार से अधिक विद्यार्थी 55 देशों में शोध एवं प्रशिक्षण के लिए भेजे गए थे, जिसके माध्यम से कृषि क्षेत्र में नए शोध, तकनीकों, नवाचारों व प्रौद्योगिकियों को बढ़ावा मिल रहा है। उन्होंने कहा कि उपरोक्त प्रोजेक्ट के तहत 450 से अधिक अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर एमओयू हुए है। कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने अपने अध्यक्षीय भाषण में विश्वविद्यालय में एनएएचईपी परियोजना के बारे बताया।

पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता

- **प्रथम स्थान:** शेर ए कश्मीर यूनिवर्सिटी ऑफ एग्रीकल्चरल साइंसेज एंड टेक्नोलॉजी, जम्मू के शिवम मोंगा
- **दूसरा स्थान:** चौधरी सरवण कुमार हिमाचल प्रदेश कृषि विश्वविद्यालय, पालमपुर से ईशा ठाकुर।
- **तीसरा स्थान:** चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार के कृषि महाविद्यालय की छात्रा पूजा।

प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता

- **प्रथम स्थान:** शेर ए कश्मीर कृषि विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, कश्मीर की सानिया शब्बीर, दानेश शब्बीर भट्ट व रोईद
- **दूसरा स्थान:** चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की सुमाय, सोनिया व कल्पना यादव।
- **तीसरा स्थान:** वसंतराव नाइक मराठवाड़ा कृषि विद्यापीठ, परभणी से पाटिल, कदम व वागमारे ने प्राप्त किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	11-12-23	5	1-5

छात्रों को स्टार्टअप शुरू करने की मिलेगी प्रेरणाः अग्रवाल

जागरण संवाददाता, हिसार: चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय में छात्र कल्याण निदेशालय की ओर से दो दिवसीय स्टूडेंट एंगेजमेंट कान्क्लेव का समापन कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली के उप-महानिदेशक (कृषि शिक्षा) डा. आरसी अग्रवाल ने शिरकत की। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। मुख्यातिथि ने कहा कि राष्ट्रीय स्तर पर कृषि विश्वविद्यालयों में उपरोक्त परियोजना के माध्यम से उपलब्ध संसाधनों में तेजी से विकास हुआ है। इस परियोजना के अंतर्गत आईडीपी इंस्टीट्यूशनल प्लान के तहत कृषि

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय में दो दिवसीय स्टूडेंट एंगेजमेंट कान्क्लेव में संबोधित करते मुख्य अतिथि डा आरसी अग्रवाल व मंच पर उपस्थित कुलपति प्रो बीआर कांबोज, डा. अतुल ढींगडा व अन्य। • जागरण

विश्वविद्यालयों के विद्यार्थियों को प्रशिक्षण व शोध के लिए विभिन्न देशों के कृषि विश्वविद्यालयों एवं शोध संस्थानों में भेजा जा रहा है ताकि विद्यार्थियों के अंदर आत्मविश्वास विकसित हो व उनके विजन में भी वृद्धि हो। विश्व बैंक ने एनएएचईपी-आईडीपी प्रोजेक्ट के द्वारा सभी लक्ष्यों की प्राप्ति करने पर प्रशंसा जाहिर की, जोकि हम सभी के लिए गर्व की बात है। मुख्यातिथि ने चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की आईडीपी इकाई की भी सराहना की। उन्होंने कहा कि उपरोक्त प्रोजेक्ट के तहत 2 हजार से अधिक विद्यार्थी 55 देशों में शोध एवं प्रशिक्षण के लिए भेजे गए थे, जिसके माध्यम से कृषि क्षेत्र में नए शोध, तकनीकों, नवाचारों व प्रौद्योगिकियों को बढ़ावा मिल रहा है। उन्होंने कहा कि उपरोक्त प्रोजेक्ट के तहत 450 से अधिक अंतराष्ट्रीय स्तर पर एमओयू हुए है। उन्होंने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि एनएएचईपी-आईडीपी प्रोजेक्ट के तहत प्रशिक्षण प्राप्त विद्यार्थी अपने अनुभवों के आधार पर स्वरोजगार स्थापित करें। दूसरों को भी रोजगार देने वाले बने। साथ ही वे अपने विषयों में प्राप्त आधारभूत जानकारी पर निर्भर न रहकर उसकी गहन जानकारी प्राप्त करें।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	11-12-23	5	1-5

अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण से विद्यार्थियों को स्टार्टअप शुरू करने की मिलेगी प्रेरणा : डॉ. आर.सी. अग्रवाल

हकृवि में आयोजित दो दिवसीय स्टूडैंट एंगेजमैंट कॉन्क्लेव का हुआ समापन

हकृवि में आयोजित दो दिवसीय स्टूडैंट एंगेजमेंट कॉन्क्लेव के समापन अवसर पर संबोधित करते मुख्यातिथि डॉ. आर.सी. अग्रवाल।

हिसार, 10 दिसम्बर (विरेंद्र वर्मा): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय में छात्र कल्याण निदेशालय की ओर से दो दिवसीय स्टूडैंट एंगेजमैंट कॉन्क्लेव का समापन कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें मुख्यातिथि के रूप में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली के उप-महानिदेशक (कृषि शिक्षा) डॉ. आर.सी. अग्रवाल रहे, जबकि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। मुख्यातिथि डॉ. आर.सी. अग्रवाल ने उपस्थित विद्यार्थियों को राष्ट्रीय कृषि उच्चतर शिक्षा परियोजना एनएएचईपी की विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय स्तर पर कृषि विश्वविद्यालयों में उपरोक्त परियोजना के माध्यम से उपलब्ध संसाधनों में तेजी से विकास हुआ है। मुख्यातिथि ने चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की आईडीपी इकाई की भी सराहना की। उन्होंने कहा कि उपरोक्त प्रोजैक्ट के तहत 2 हजार से अधिक विद्यार्थी 55 देशों में शोध एवं प्रशिक्षण के लिए भेजे गए थे, जिसके माध्यम से कृषि क्षेत्र में नए शोध, तकनीकों, नवाचारों व प्रौद्योगिकियों को बढ़ावा मिल रहा है। उन्होंने कहा कि उपरोक्त प्रोजैक्ट के तहत 450 से अधिक अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर एमओयू हुए है। उन्होंने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि एनएएचईपी-आईडीपी प्रोजैक्ट के तहत प्रशिक्षण प्राप्त विद्यार्थी अपने अनुभवों के आधार पर स्वरोजगार स्थापित करें व दूसरों को भी रोजगार देने वाले बने। अग्रवाल ने कहा कि कृषि क्षेत्र की नई-नई तकनीकों को किसानों तक पहुंचाने के लिए विद्यार्थियों को प्रयास करने चाहिए।

कुलपति प्रो.बी.आर. काम्बोज ने विश्वविद्यालय में एनएएचईपी परियोजना के बारे बताया। उन्होंने कहा कि ढांचागत विकास, पाठ्यक्रम विकास, फैकल्टी क्षमता विकास, नवाचार व उद्यमिता के साथ संस्कृति को बढ़ावा देना इस परियोजना के मुख्य उद्देश्य हैं। उन्होंने बताया कि चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार में एनएएचईपी-आईडीपी प्रोजेक्ट 2018 से क्रियान्वित है, जिसके अंतर्गत विश्वविद्यालय ने अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर विदेशी संस्थानों एवं कृषि विश्वविद्यालयों के साथ अनुबंध किए है। इस प्रोजेक्ट के तहत हकृवि में 5 प्रयोगशालाएं एवं 14 व्याख्यान कक्षों का नवीनीकरण किया है व नए उपकरण एवं पुस्तकें भी खरीदी है। हकृवि के 32 शिक्षकों ने उपरोक्त परियोजना के तहत विभिन्न देशों जैसे अमेरिका, ब्रिटेन, आस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, पौलेंड इत्यादि देशा में आयोजित प्रशिक्षणों, कार्यशालाओं में हिस्सा लिया है। उन्होंने कहा कि चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार के 102 विद्यार्थी अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके हैं, जबकि 44 विद्यार्थी प्राप्त कर रहे हैं। कार्यक्रम के दौरान डॉ. बालासाहेब सावंत कोंकण कृषि विश्वविद्यालय, दापोली, गुरु अंगद देव पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, शेर ए कश्मीर यूनिवर्सिटी ऑफ एग्रीकल्चरल साइंसेंज एंड टैक्नोलॉजी, जम्मू, वसंतराव नाइक मराठवाड़ा कृषि विद्यापीठ, परभणी, शेर ए कश्मीर कृषि विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, कश्मीर व डॉ. वाई.एस.परमार बागवानी एवं वानिकी विश्वविद्यालय, सोलन से एनएएचईपी-आईडीपी प्रोजेक्ट के अंतर्गत विदेश के शिक्षण संस्थानों में प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके विद्यार्थियों ने अपने अनुभव भी साझा किए। इस अवसर पर विश्वविद्यालय एवं इससे जुड़े सभी महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक, शिक्षाविद्, वैज्ञानिक, शोधार्थी सहित विद्यार्थी मौजूद रहें। छात्र कल्याण निदेशक डॉ. अतुल ढींगड़ा ने मुख्यातिथि सहित सभी का स्वागत किया, जबकि स्नातकोत्तर शिक्षा अधिष्ठाता एवं आईडीपी परियोजना के प्रमुख अन्वेषक डॉ. के.डी.शर्मा ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया। मंच का संचालन डॉ. अमिता गिरधर व छात्रा स्नोवर ने किया। मुख्यातिथि ने विभिन्न प्रतियोगिता में विजेता रहे विद्यार्थियों को सम्मानित किया।

पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता

प्रथम स्थान : शेर ए कश्मीर यूनिवर्सिटी ऑफ एग्रीकल्चरल साइंसेज एंड टेक्नोलॉजी, जम्मू के शिवम मोंगा।

दूसरा स्थान : चौधरी सरवण कुमार हिमाचल प्रदेश कृषि विश्वविद्यालय, पालमपुर से ईशा ठाकुर।

तीसरा स्थान : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार के कृषि महाविद्यालय की छात्रा पूजा।

प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता

प्रथम स्थान : शेर ए कश्मीर कृषि विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, कश्मीर की सानिया शब्बीर, दानेश शब्बीर भट्ट व रोईद।

दूसरा स्थान = चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की सुमाय, सोनिया व कल्पना यादव।

तीसरा स्थान : वसंतराव नाइक मराठवाड़ा कृषि विद्यापीठ, परभणी से पाटिल, कदम व वागमारे स्वपनिल।

पैनेल डिशक्शन

प्रथम स्थान : हिमाचल प्रदेश कृषि विश्वविद्यालय, पालमपुर से शौर्य कपूर व भावना।

दूसरा स्थान : वसंतराव नाइक मराठवाड़ा कृषि विद्यापीठ, परभणी से सतवादार प्रिया प्रभाकर व अनुश्री।

तीसरा स्थान : शेर ए कश्मीर कृषि विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, कश्मीर से सानिया शबीर व दानेश शबीर।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सच कहूँ	11-12-23	6	1-5

अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण से विद्यार्थियों को स्टार्टअप शुरू करने की मिलेगी प्रेरणाः डॉ. अग्रवाल

हकृवि में आयोजित दो दिवसीय स्टूडेंट एंगेजमेंट कॉन्क्लेव का हुआ समापन

- उपरोक्त प्रोजेक्ट के तहत 450 से अधिक अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर हुए एमओयू

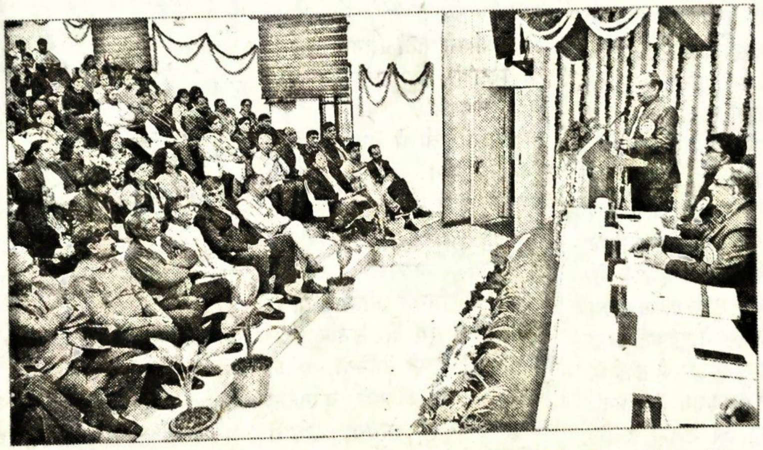

सच कहूँ/श्याम सुन्दर सरदाना

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय में छात्र कल्याण निदेशालय की ओर से दो दिवसीय स्टूडेंट एंगेजमेंट कॉन्क्लेव का समापन कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें मुख्यातिथि के रूप में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली के उप-महानिदेशक (कृषि शिक्षा) डॉ. आर.सी. अग्रवाल रहे, जबकि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। मुख्यातिथि डॉ. आर.सी.अग्रवाल ने अपने संबोधन में उपस्थित विद्यार्थियों को राष्ट्रीय कृषि उच्चतर शिक्षा परियोजना एनएएचईपी की विस्तारपूर्वक जानकारी दी।

उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय स्तर पर कृषि विश्वविद्यालयों में उपरोक्त परियोजना के माध्यम से उपलब्ध संसाधनों में तेजी से विकास हुआ है। इस परियोजना के अंतर्गत आईडीपी इस्टीट्यूशनल प्लान के तहत कृषि विश्वविद्यालयों के विद्यार्थियों को प्रशिक्षण व शोध के लिए विभिन्न देशों के कृषि विश्वविद्यालयों एवं शोध संस्थानों में भेजा जा रहा है ताकि विद्यार्थियों के अंदर आत्मविश्वास विकसित हो व उनके विजन में भी वृद्धि हो। उन्होंने बताया कि विश्व बैंक ने एनएएचईपी-आईडीपी प्रोजेक्ट के द्वारा सभी लक्ष्यों की प्राप्ति करने पर प्रशंसा जाहिर की, जोकि हम सभी के लिए गर्व की बात है।

मुख्यातिथि ने चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की आईडीपी इकाई की भी सराहना की। उन्होंने कहा कि उपरोक्त प्रोजेक्ट के तहत 2 हजार से अधिक विद्यार्थी 55 देशों में शोध एवं प्रशिक्षण के लिए भेजे गए थे, जिसके माध्यम से कृषि क्षेत्र में नए शोध, तकनीकों, नवाचारों व प्रौद्योगिकियों को बढ़ावा मिल रहा है। उन्होंने कहा कि उपरोक्त प्रोजेक्ट के तहत 450 से अधिक अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर एमओयू हुए है।

हकृवि अपने विद्यार्थियों को अंतर्राष्ट्रीय तकनीक व एक्सपोजर देने में निभा रहा अग्रणी भूमिकाः कुलपति काम्बोज

कुलपति प्रो.बी.आर. काम्बोज ने अपने अध्यक्षीय भाषण में विश्वविद्यालय में एनएएचईपी परियोजना के बारे बताया। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय कृषि उच्चतर कृषि शिक्षा परियोजना कृषि क्षेत्र में उच्चतर शिक्षा को मजबूती देने हेतु भारत सरकार की एक अहम परियोजना है, जिसके तहत शैक्षणिक संस्थानों में संस्थागत विकास को मजबूत करने व अनुसंधान क्षमताओं को बढ़ाने और कृषि के क्षेत्र में शिक्षकों व विद्यार्थियों को सशक्त बनाने के लिए महत्वपूर्ण कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि ढांचागत विकास, पाठ्यक्रम विकास, फैकल्टी क्षमता विकास, नवाचार व उद्यमिता के साथ संस्कृति को बढ़ावा देना इस परियोजना के मुख्य उद्देश्य हैं। इस प्रोजेक्ट के तहत हकृवि में 5 प्रयोगशालाएं एवं 14 व्याख्यान कक्षों का नवीनीकरण किया है व नए उपकरण एवं पुस्तकें भी खरीदी है। हकृवि के 32 शिक्षकों ने उपरोक्त परियोजना के तहत विभिन्न देशों जैसे अमेरिका, ब्रिटेन, आस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, पौलेंड इत्यादि देशा में आयोजित प्रशिक्षणों, कार्यशालाओं में हिस्सा लिया है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समस्त हरियाणा न्यूज	10.12.2023	--	--

अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण से विद्यार्थियों को स्टार्टअप शुरू करने की मिलेगी प्रेरणा : डॉ. आर.सी.अग्रवाल

समस्त हरियाणा न्यूज

हिसार, 10 दिसंबर। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय में छात्र कल्याण निदेशालय की ओर से दो दिवसीय स्टूडेंट एंगेजमेंट कॉन्क्लेव का समापन कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली के उप-महानिदेशक (कृषि शिक्षा) डॉ. आर.सी. अग्रवाल रहे, जबकि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। मुख्यातिथि डॉ. आर.सी.अग्रवाल ने अपने संबोधन में उपस्थित विद्यार्थियों को राष्ट्रीय कृषि उच्चतर शिक्षा परियोजना एनएएचईपी की विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय स्तर पर कृषि विश्वविद्यालयों में उपरोक्त परियोजना के माध्यम से उपलब्ध संसाधनों में तेजी से विकास हुआ है। इस परियोजना के अंतर्गत आईडीपी इंस्टीट्यूशनल प्लान के तहत कृषि विश्वविद्यालयों के विद्यार्थियों को प्रशिक्षण व शोध के लिए विभिन्न देशों के कृषि विश्वविद्यालयों एवं शोध संस्थानों में भेजा जा रहा है ताकि विद्यार्थियों के अंदर आत्मविश्वास विकसित हो व उनके विज़न में भी वृद्धि हो। उन्होंने बताया कि विश्व बैंक ने एनएएचईपी-आईडीपी प्रोजेक्ट के द्वारा सभी लक्ष्यों की प्राप्ति करने पर प्रशंसा जाहिर की, जोकि हम सभी के लिए गर्व की बात है। मुख्यातिथि ने चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की आईडीपी इकाई की भी सराहना की। उन्होंने कहा कि उपरोक्त प्रोजेक्ट के तहत 2 हजार से अधिक विद्यार्थी 55 देशों में शोध एवं प्रशिक्षण के लिए भेजे गए थे, जिसके माध्यम से कृषि क्षेत्र में नए शोध, तकनीकों, नवाचारों व प्रौद्योगिकियों को बढ़ावा मिल रहा है। उन्होंने कहा कि उपरोक्त प्रोजेक्ट के तहत 450 से अधिक अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर एमओयू हुए है। उन्होंने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि एनएएचईपी-आईडीपी प्रोजेक्ट के तहत प्रशिक्षण प्राप्त विद्यार्थी अपने अनुभवों के आधार पर स्वरोजगार स्थापित करें व दूसरों को भी रोजगार देने वाले बने। साथ ही वे अपने विषयों में प्राप्त आधारभूत जानकारी पर निर्भर न रहकर उसकी गहन जानकारी प्राप्त करें। इसके अलावा विद्यार्थियों को कृषि क्षेत्र में मार्केटिंग के नए-नए तरीकों को अपनाना चाहिए। उन्होंने कहा कि भविष्य की चुनौतियों जैसे-जलवायु परिवर्तन, खाद्य सुरक्षा, खाद्य भंडारण, पोषण सुरक्षा सहित अन्यों से निदान के लिए नवीनतम तकनीकों को अपनाना होगा। मुख्यातिथि अग्रवाल ने कहा कि कृषि क्षेत्र की नई-नई तकनीकों को किसानों तक पहुंचाने के लिए विद्यार्थियों को प्रयास करने चाहिए।

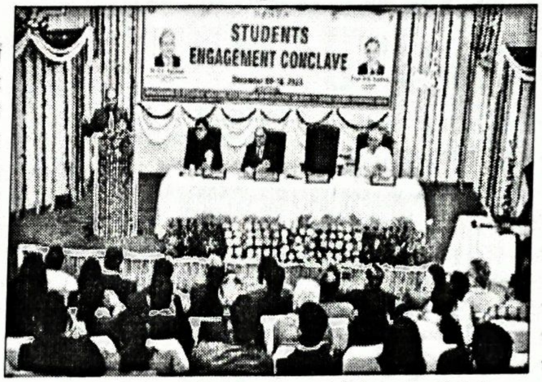

हकृवि अपने विद्यार्थियों को अंतर्राष्ट्रीय तकनीक व एक्सपोजर देने में निभा रहा अग्रणी भूमिका : कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज

कुलपति प्रो.बी.आर. काम्बोज ने अपने अध्यक्षीय भाषण में विश्वविद्यालय में एनएएचईपी परियोजना के बारे बताया। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय कृषि उच्चतर कृषि शिक्षा परियोजना कृषि क्षेत्र में उच्चतर शिक्षा को मजबूती देने हेतु भारत सरकार की एक अहम परियोजना है, जिसके तहत शैक्षणिक संस्थानों में संस्थागत विकास को मजबूत करने व अनुसंधान क्षमताओं को बढ़ाने और कृषि के क्षेत्र में शिक्षकों व विद्यार्थियों को सशक्त बनाने के लिए महत्वपूर्ण कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि ढांचागत विकास, पाठ्यक्रम विकास, फैकल्टी क्षमता विकास, नवाचार व उद्यमिता के साथ संस्कृति को बढ़ावा देना इस परियोजना के मुख्य उद्देश्य हैं। उन्होंने बताया कि चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार में एनएएचईपी-आईडीपी प्रोजेक्ट 2018 से क्रियान्वित है, जिसके अंतर्गत विश्वविद्यालय ने अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर विदेशी संस्थानों एवं कृषि विश्वविद्यालयों के साथ अनुबंध किए है। इस प्रोजेक्ट के तहत हकृवि में 5 प्रयोगशालाएं एवं 14 व्याख्यान कक्षों का नवीनीकरण किया है व नए उपकरण एवं पुस्तकें भी खरीदी है। हकृवि के 32 शिक्षकों ने उपरोक्त परियोजना के तहत विभिन्न देशों जैसे अमेरिका, ब्रिटेन, आस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, पौलेंड इत्यादि देशों में आयोजित प्रशिक्षणों, कार्यशालाओं में हिस्सा लिया है। उन्होंने कहा कि चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार के 102 विद्यार्थी अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके हैं, जबकि 44 विद्यार्थी प्राप्त कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हकृवि ने दो अंतर्राष्ट्रीय व एक राष्ट्रीय सम्मेलन को सफल रूप से आयोजित किए है। इसके साथ ही विद्यार्थियों के लिए देश के प्रतिष्ठित संस्थानों में उद्यमिता प्रशिक्षण भी आयोजित किए गए व 8 कौशल विकास प्रशिक्षण, एक आर्टीफिशियल इंटेलिजेंस पर आधारित एक प्रशिक्षण व कृषि क्षेत्र में स्वरोजगार को बढ़ाने के लिए 5 स्टार्टअप भी शुरू किए गए है। प्रो. काम्बोज ने उपस्थित छात्र-छात्राओं से आह्वान किया कि वे विदेश के उच्च शिक्षण संस्थानों से सीखी गई तकनीकों को अपने साथियों के साथ साझा करें व देश को कृषि क्षेत्र में मजबूती प्रदान करें। साथ ही कृषि क्षेत्र में स्वरोजगार स्थापित करने के लिए कृषि को एक व्यवसाय के रूप में अपनाएं। कार्यक्रम के दौरान डॉ. बालासाहेब सावंत कोंकण कृषि विश्वविद्यालय, दापोली, गुरु अंगद देव पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, शेर ए कश्मीर यूनिवर्सिटी ऑफ एग्रीकल्चरल साइंसेज एंड टेक्नोलॉजी, जम्मू, वसंतराव नाइक मराठवाड़ा कृषि विद्यापीठ, परभणी, शेर ए कश्मीर कृषि विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, कश्मीर व डॉ. वाई.एस.परमार बागवानी एवं वानिकी विश्वविद्यालय, सोलन से एनएएचईपी-आईडीपी प्रोजेक्ट के अंतर्गत विदेश के शिक्षण संस्थानों में प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके विद्यार्थियों ने अपने अनुभव भी साझा किए। इस अवसर पर विश्वविद्यालय एवं इससे जुड़े सभी महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक, शिक्षाविद्, वैज्ञानिक, शोधार्थी सहित विद्यार्थी मौजूद रहें। छात्र कल्याण निदेशक डॉ. अतुल ढींगड़ा ने मुख्यातिथि सहित सभी का स्वागत किया, जबकि स्नातकोत्तर शिक्षा अधिष्ठाता एवं आईडीपी परियोजना के प्रमुख अन्वेषक डॉ. के.डी.शर्मा ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया। मंच का संचालन डॉ. अमिता गिरधर व छात्रा स्नोवर ने किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पांच बजे न्यूज	10.12.2023	--	--

हकृवि में आयोजित दो दिवसीय स्टूडेंट एंगेजमेंट कॉन्क्लेव का हुआ समापन

अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण से विद्यार्थियों को स्टार्टअप शुरू करने की मिलेगी प्रेरणा : डॉ. अग्रवाल

पांच बजे न्यूज

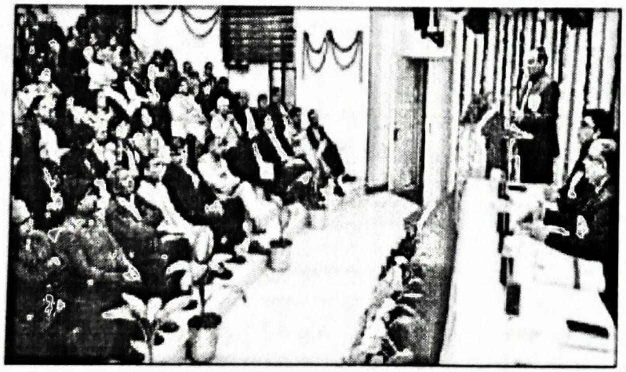

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय में छात्र कल्याण निदेशालय द्वारा आयोजित दो दिवसीय स्टूडेंट एंगेजमेंट कॉन्क्लेव आज सम्पन्न हो गया। समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली के उप-महानिदेशक (कृषि शिक्षा) डॉ. आरसी अग्रवाल रहे, जबकि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की।

मुख्यातिथि डॉ. आर.सी.अग्रवाल ने अपने संबोधन में उपस्थित विद्यार्थियों को राष्ट्रीय कृषि उच्चतर शिक्षा परियोजना एनएएचईपी की विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय स्तर पर कृषि विश्वविद्यालयों में उपरोक्त परियोजना के माध्यम से उपलब्ध संसाधनों में तेजी से विकास हुआ है। इस परियोजना के अंतर्गत आईडीपी इस्टीट्यूशनल प्लान के तहत कृषि विश्वविद्यालयों के विद्यार्थियों को प्रशिक्षण व शोध के लिए विभिन्न देशों के कृषि विश्वविद्यालयों एवं शोध संस्थानों में भेजा जा रहा है ताकि विद्यार्थियों के अंदर आत्मविश्वास विकसित हो व उनके विजन में भी वृद्धि हो। उन्होंने बताया कि विश्व बैंक ने एनएएचईपी-आईडीपी प्रोजेक्ट के द्वारा सभी लक्ष्यों की प्राप्ति करने पर प्रशंसा जाहिर की, जोकि हम सभी के लिए गर्व की बात है। मुख्यातिथि ने चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की आईडीपी इकाई की भी सराहना की। उन्होंने कहा कि उपरोक्त प्रोजेक्ट के तहत 2 हजार से अधिक विद्यार्थी 55 देशों में शोध एवं प्रशिक्षण के लिए भेजे गए थे, जिसके माध्यम से कृषि क्षेत्र में नए शोध, तकनीकों, नवाचारों व प्रौद्योगिकियों को बढ़ावा मिल रहा है। उन्होंने कहा कि उपरोक्त प्रोजेक्ट के तहत 450 से अधिक अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर एमओयू हुए है। उन्होंने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि एनएएचईपी-आईडीपी प्रोजेक्ट के तहत प्रशिक्षण प्राप्त विद्यार्थी अपने अनुभवों के आधार पर स्वरोजगार स्थापित करें व दूसरों को भी रोजगार देने वाले बनें। साथ ही वे अपने विषयों में प्राप्त आधारभूत जानकारी पर निर्भर न रहकर उसकी गहन जानकारी प्राप्त करें। इसके अलावा विद्यार्थियों को कृषि क्षेत्र में मार्केटिंग के नए-नए तरीकों को अपनाना चाहिए। उन्होंने कहा कि भविष्य की चुनौतियों जैसे-जलवायु परिवर्तन, खाद्य सुरक्षा, खाद्य भंडारण, पोषण सुरक्षा सहित अन्यों से निदान के लिए नवीनतम तकनीकों को अपनाना होगा। मुख्यातिथि अग्रवाल ने कहा कि कृषि क्षेत्र की नई-नई तकनीकों को किसानों तक पहुंचाने के लिए विद्यार्थियों को प्रयास करने चाहिए।

कुलपति प्रो.बी.आर. काम्बोज ने अपने अध्यक्षीय भाषण में विश्वविद्यालय में एनएएचईपी परियोजना के बारे बताया। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय कृषि उच्चतर कृषि शिक्षा परियोजना कृषि क्षेत्र में उच्चतर शिक्षा को मजबूती देने हेतु भारत सरकार की एक अहम परियोजना है, जिसके तहत शैक्षणिक संस्थानों में संस्थागत विकास को मजबूत करने व अनुसंधान क्षमताओं को बढ़ाने और कृषि के क्षेत्र में शिक्षकों व विद्यार्थियों को सशक्त बनाने के लिए महत्त्वपूर्ण कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि ढांचागत विकास, पाठ्यक्रम विकास, फैकल्टी क्षमता विकास, नवाचार व उद्यमिता के साथ संस्कृति को बढ़ावा देना इस परियोजना के मुख्य उद्देश्य हैं। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय में एनएएचईपी-आईडीपी प्रोजेक्ट 2018 से क्रियान्वित है, जिसके अंतर्गत विश्वविद्यालय ने अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर विदेशी संस्थानों एवं कृषि विश्वविद्यालयों के साथ अनुबंध किए है। इस प्रोजेक्ट के तहत हकृवि में 5 प्रयोगशालाएं एवं 14 व्याख्यान कक्षों का नवीनीकरण किया है व नए उपकरण एवं पुस्तकें भी खरीदी है। हकृवि के 32 शिक्षकों ने उपरोक्त परियोजना के तहत विभिन्न देशों जैसे अमेरिका, ब्रिटेन, आस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, पौलेंड इत्यादि देशा में आयोजित प्रशिक्षणों, कार्यशालाओं में हिस्सा लिया है। उन्होंने कहा कि चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार के 102 विद्यार्थी अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके है, जबकि 44 विद्यार्थी प्राप्त कर रहे हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
चिराग टाइम्स	10.12.2023	--	--

अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण से विद्यार्थियों को स्टार्टअप शुरू करने की मिलेगी प्रेरणा : मुख्यातिथि डॉ. आर.सी.अग्रवाल

हिसार (चिराग टाइम्स) चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय में छात्र कल्याण निदेशालय की ओर से दो दिवसीय स्टूडेंट एंगेजमेंट कन्क्लेव का समापन कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली के उप महानिदेशक (कृषि शिक्षा) डॉ. आर.सी. अग्रवाल रहे, जबकि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। मुख्यातिथि डॉ. आर.सी.अग्रवाल ने अपने संबोधन में उपस्थित विद्यार्थियों को राष्ट्रीय कृषि उच्चतर शिक्षा परियोजना एनएएचईपी की विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय स्तर पर कृषि विश्वविद्यालयों में उपरोक्त परियोजना के माध्यम से उपलब्ध संसाधनों में तेजी से विकास हुआ है। इस परियोजना के अंतर्गत आईडीपी इन्स्टीट्यूशनल प्लान के तहत कृषि विश्वविद्यालयों के विद्यार्थियों को प्रशिक्षण व शोध के लिए विभिन्न देशों के कृषि विश्वविद्यालयों एवं शोध संस्थानों में भेजा जा रहा है ताकि विद्यार्थियों के अंदर आत्मविश्वास विकसित हो व उनके विजन में भी वृद्धि हो। उन्होंने बताया कि विश्व बैंक ने एनएएचईपी-आईडीपी प्रोजेक्ट के द्वारा सभी लक्ष्यों की प्राप्ति करने पर प्रशंसा जाहिर की, जोकि हम सभी के लिए गर्व की बात है। मुख्यातिथि ने चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की आईडीपी इकाई की भी सराहना की। उन्होंने कहा कि उपरोक्त प्रोजेक्ट के तहत 2 हजार से अधिक विद्यार्थी 55 देशों में शोध एवं प्रशिक्षण के लिए भेजे गए थे, जिसके माध्यम से कृषि क्षेत्र में नए शोध, तकनीकों, नवाचारों व प्रौद्योगिकियों को बढ़ावा मिल रहा है। उन्होंने कहा कि उपरोक्त प्रोजेक्ट के तहत 450 से अधिक अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर एमओयू हुए है। उन्होंने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि एनएएचईपी-आईडीपी प्रोजेक्ट के तहत प्रशिक्षण प्राप्त विद्यार्थी अपने अनुभवों के आधार पर स्वरोजगार स्थापित करें व दूसरों को भी रोजगार देने वाले बनें। साथ ही वे अपने विषयों में प्राप्त आधारभूत जानकारी पर निर्भर न रहकर उसकी गहन जानकारी प्राप्त करें। इसके अलावा विद्यार्थियों को कृषि क्षेत्र में मार्केटिंग के नए-नए तरीकों को अपनाना चाहिए।